GLUT (v.t.) : I. To swallow : q.v. : ग्रसते (ग्रस्, c. 1.). II. To satiate : q.v. : सं-तर्पयति (c. of तृप्).

GLUT (subs.) : I. That which is swallowed, ग्रासः. II. Abundance : q.v. : प्राचुर्यम्. III. Satiety : q.v. : सौहित्यम्, Vi.

GLUTINOUS : (1) चिक्कणः (णा, णं) (?) ; (2) संलग्नशीलः (ला, लं) (?).

GLUTINOUSNESS : (1) चिक्कणता (?) ; (2) संलग्नशीलता (?).

GLUTTON : (1) औदरिकः ; (2) उदरम्भरिः ; (3) आद्यूनः, Ki.

GLUTTONOUS : (1) औदरिकः (का, कं) ; (2) घस्मरः (रा, रं) ; (3) अत्याहारप्रियः (या, यं) ; (4) गृध्नः (ध्ना, ध्नं) (=covetous).

GLUTTONY : (1) औदरिकता ; (2) घस्मरता ; (3) अत्याहारप्रियता.

GNARLED : ग्रन्थिलः (ला, लं) : v. Knotty.

GNASH : *to g. the teeth*: दन्तैर्दन्तान् निष्पीडयति (पीड्, c. 10.) *or* दशति, वि-, सं-, (दंश्, c. 1.), Mah. ii. 43. 12. ; क्ष्वेडति (क्ष्वेड्, c. 1.), M. iv. 64.

GNASHING : क्ष्वेडनम्. K.b. ; better by verb.

GNAT : (1) मशकः (=mosquito); (2) दंशः (a fly).

GNAW : दशति (दंश्, c. 1.) : v. To bite.

GNAWING (subs.) : दंशः : v. Bite, sting.

GNOME : I. A fairy : भूतधात्री (?). II. A goblin : भूतः.

GNOMIC,-AL : i.e. sententious : लघु (mfn.).

GNOMON : I. Of a dial : (1) शङ्कुः ; (2) कीलः ; (3) मयूखः . II. In geo. : *स्वरूपच्छेदः ; कीलः.

GNOMONICS : घटीविद्या.

GNOSTIC : *पण्डिताभिमानिन् (f. नी) ; नोस्तिकः.

GNOSTICISM : *नोस्तिकमतम् ; नोस्तिकदर्शनम्.

GNU : कृष्णसारजातीयोऽश्वाकारो द्विशृङ्गो जन्तुविशेषः ; prob. न्यङ्कुः.

GO : I. In gen. : (1) गच्छति (गम्, c. 1.), *when Keyūraka had gone*: गते च केयूरके, K. ; *true and going to* (i.e. reaching) *the heart*: यथार्था हृदयङ्गमा, Ku. ; *the danger is gone*: गतं भयम्, V. i. 5. ; *is gone, will not return* : गत एव न निवर्तते, Ku. iv. 30.; *a road going to the Golden City*: सुवर्णपुरगामी पन्थाः, K. ; *that they should go the way of their husbands* : यद्भर्तृगतिर्गन्तव्येति, P. iv. ; *in her absence, (it) goes to the daughter*: तदभावे दुहितृगामि, V. s. ; (2) याति (या, c. 2.), *and you go to another (man)* : अपरञ्च यासि, Mr. iv. ; *the man will go one month* : मासमेकं नरो याति, H. ; *moonlight goes (away) with the moon* : शशिना सह याति कौमुदी, Ku. ; (3) एति (इ, c. 2.), *come, come, let us go* : एह्येहि यामः ; U. ; (4) व्रजति (व्रज्, c. 1.), *go and conquer the enemies*: व्रज जय रिपुलोकम्, Ki. II. To sell : expr. by लभते (लभ्, c. 1.) *or* प्राप्नोति (आप्, c. 5.), *eight go for hundred* : अष्टौ लभन्ते शतम्, Li. III. To fare, turn out : q.v. Ph. : *go in* : अभ्यन्तरं प्रविश, Mr. i.; *he has gone too far* : अतिभूमिमयं गतः, K. ; *he is going* (lit. wishes) *to say something* : किमप्ययं विवक्षुः, Ku. ; *or* वक्तुकामः, Sa. ; *(I am) going to ask something*: किञ्चित् प्रष्टुमनाः, Ku.; *as the story goes*: किल (enclitic) ; *to go for nothing* : विफलीभवति.

GO ABOUT : I. To round : q.v. II. To endeavour : q.v. : perh. गच्छति, याति, यतते (यत्, c. 1.).

GO AFTER : अनुगच्छति (with acc.) : v. To follow.

GO ASTRAY : (1) अपस्थानं गच्छति, etc., Ana. ; (2) उन्मार्गेण गच्छति, याति, etc.

GO AWAY : I. Lit. : (1) अपैति (इ) ; (2) अपसरति ; (3) अप-क्रामति ; (4) अप-गच्छति ; (5) अपयाति ; (6) अप-सर्पति. II. To vanish (1) गच्छति ; (2) याति.

GO BACK : (1) प्रति-गच्छति, *you should go back from here after communicating your message to us*: अत्र नः सन्दिश्य प्रतिगन्तुमर्हसि, Sa. iv. ; (2) प्रतियाति, D. ii. : v. To return.

GO BEFORE : पुरो गच्छति, याति, *or* सरति (with gen.).

GO BY : I. Lit. : v. To pass by. II. Fig., to follow : अनुगच्छति.

GO DOWN : अधो गच्छति : v. To descend ; to sink.

GO FORTH : निष्क्रामति : v. To go out (I.).

GO NEAR : उपगच्छति *or* उपयाति (with acc.) : v. To approach.

GO OFF : I. To go away : q.v. II. To turn out : q.v. III. To discharge, as a gun : perh. मुच्यते, निर्- (pass. of मुच्).